P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-7* (Part-2) March- 2019
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

विकास खण्ड दूबेपुर (जनपद सुल्तानपुर, उ0प्र0) का सामाजिक–आर्थिक विश्लेषण

रवि कुमार
शोधार्थी,
भूगोल विभाग,
बीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्विद्यालय,
जौनपुर, उत्तर प्रदेश, भारत

सारांश

किसी भी क्षेत्र की जनसंख्या संरचना वहाँ की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक तथा भौतिक प्रभावों को प्रदर्शित करती है। जनसंख्या संरचना के आधार पर किसी क्षेत्र के विकास का आकलन करना संभव होता है। इसी के आधार पर किसी क्षेत्र में विकास संबंधी नीतियों को अपनाया जाता है, तथा प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग की नीतियाँ तैयार की जाती है, जिससे कि उस क्षेत्र की समुचित सामाजिक–आर्थिक प्रगति हो सके। प्रस्तुत शोध पत्र में जनपद सुलतानपुर के विकास खण्ड दूबेपुर की जनसंख्या संरचना का अध्ययन करने का प्रयास किया गया है, जिससे कि यहां की जनसंख्या तथा प्राकृतिक संसाधनों के मध्य संतुलन स्थापित कर इस क्षेत्र का समुचित विकास किया जा सके।

मुख्य शब्द : जनसंख्या संरचना, संसाधन, विकास।

प्रस्तावना

जनसंख्या, किसी राष्ट्र की संपत्ति होती है, क्योंकि किसी भी क्षेत्र के विकास का ताना–बाना इसी के सापेक्ष बुना जाता है। किन्तु आज जनसंख्या में जिस गति से वृद्धि हो रही है वह चिन्ताजनक है। पृथ्वी पर संसाधन तो सीमित है जबकि जनसंख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है। किसी भी क्षेत्र के विकास के लिए जनसंख्या तथा संसाधन में संतुलन होना आवश्यक है, अन्यथा समाज में गरीबी, बेरोजगारी एवं अपराध की वृद्धि होगी, जो किसी भी समाज के लिए घातक होगी। जहां बढ़ती जनसंख्या समस्याओं को जन्म देती है, वहीं जनसंख्या व्यक्ति और समाज के संबंधों के बारे में वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त करने में भी सहायक होती है। जनसंख्या संबंधी बहुपक्षीय प्रश्नों के उत्तर में जनसंख्या का महत्व एवं उपयोग समाहित है।

किसी भी क्षेत्र की जनसंख्या पर वहां की सामाजिक–सांस्कृतिक परिस्थितियों का गहरा प्रभाव पड़ता है। ये परिस्थितियाँ जनसंख्या के गुणात्मक पक्ष के साथ–साथ जनसंख्या के बहुआयामी पक्षों यथा–जनसंख्या घनत्व, वितरण, लिंग, आयु संरचना, जन्मदर, मृत्युदर, साक्षरता को भी प्रभावित करती है। इन तमाम पक्षों को जानने के लिए न्याय पंचायत को अध्ययन की इकाई के रूप में चुना गया है।

साहित्यावलोकन

प्रस्तुत शोध पत्र में विभिन्न स्रोतों का अध्ययन किया गया है। डॉ0 आर0सी0 चांदना की पुस्तक 'जनसंख्या भूगोल' (2014) से घनत्व, व्यावसायिक संरचना। डॉ0 एस0डी0 मौर्य की पुस्तक 'जनसंख्या भूगोल' (2016) से जनसंख्या घनत्व तथा साक्षरता। डॉ0 जगदीश सिंह की पुस्तक 'आर्थिक भूगोल के मूल तत्व' (2019) जनसंख्या और संसाधन का सम्बन्ध। भूगोल और आप, भारत सरकार की जनगणना तथा अन्य स्रोतों का अध्ययन किया गया है।

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-7* (Part-2) March- 2019
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

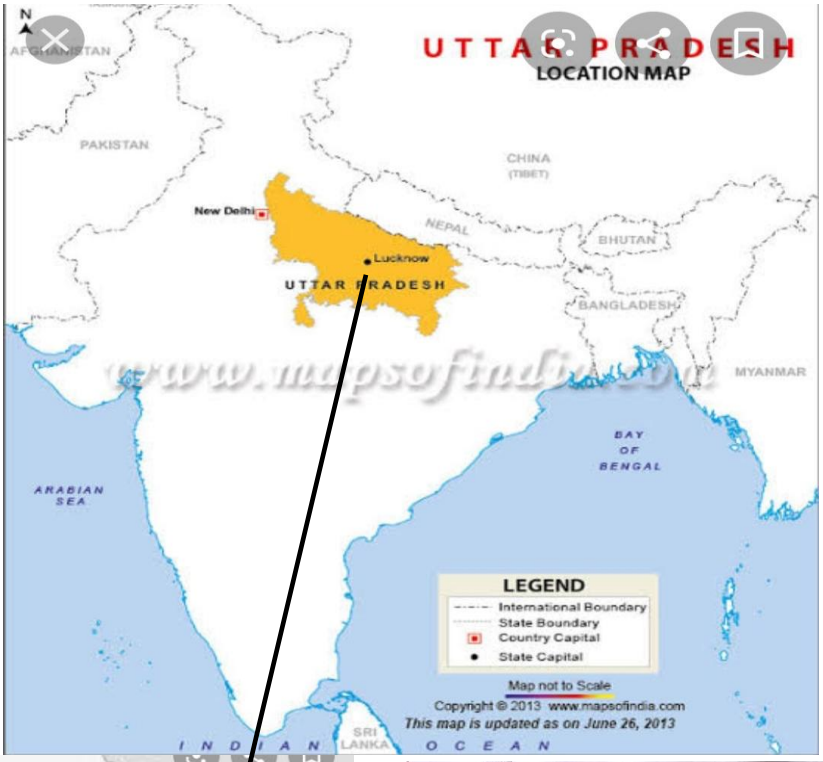

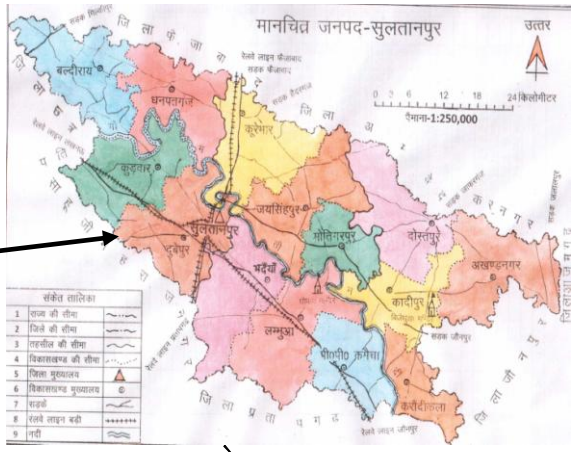

अध्ययन क्षेत्र

जनसंख्या के सामाजिक, आर्थिक विश्लेषण के लिए जनपद सुलतानपुर के विकास खण्ड दूबेपुर को चुना गया है। यह विकास खण्ड जनपद का सबसे निकटतम विकास खण्ड है। जिसके उत्तर में गोमती नदी प्रवाहित होती है। लखनऊ–वाराणसी तथा सुलतानपुर– रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग इसके मध्य से गुजरता है। विकास खण्ड के मुख्यालय के पास अमहट में हवाई पट्टी स्थित है। विकास खण्ड का अक्षांशीय विस्तार $26^0$14′ उत्तर से $26^0$24′ उत्तरी अक्षांश एवं देशांतरीय विस्तार $82^0$02′ पूरब से $82^0$24′ पूर्वी देशांतर के मध्य है। इसका क्षेत्रफल 21292.85 वर्ग किमी0 तथा जनसंख्या 244373 व्यक्ति है। इसके उत्तर में कूड़ेभार, उत्तर–पश्चिम में धनपतगंज, पूरब में भदैया, पश्चिम में कुडवार विकास खण्ड स्थित है जबकि दक्षिण में अमेठी जिला स्थित है। विकास खण्ड में 10 न्याय पंचायत तथा 94 ग्राम सभा और 143 ग्राम है।

अध्ययन का उद्देश्य

शोध पत्र का उद्देश्य अध्ययन क्षेत्र की जनसंख्या का सामाजिक–आर्थिक विश्लेषण करना तथा जनसंख्या के कारण उत्पन्न समस्याओं को रेखांकित करने के साथ–साथ उनके निदान की खोज करना है, ताकि क्षेत्र के भावी विकास की योजनाओं की रूपरेखा आसानी से तैयार हो सके। जिससे इस क्षेत्र का समुचित सर्वांगीण विकास हो सके।

शोध प्रविधि

अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या संरचना के विश्लेषण हेतु द्वितीयक आंकड़ों के साथ–साथ स्वयं साक्षात्कार का माध्यम अपनाया गया है। द्वितीयक आंकड़ों का स्रोत जनपद की सांख्यिकीय पत्रिका है। अध्ययन की वैज्ञानिकता तथा सटीकता हेतु सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग किया गया है।

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-7* (Part-2) March- 2019
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

सारणी–1.1 विकास खण्ड दूबेपुर का न्याय पंचायत के अनुसार जनसंख्या वितरण–2011

न्याय पंचायत	जनसंख्या
अमहट	24532
बिकना	17370
धम्मौर	13451
भादा	15110
अहिमाने	17940
बधुवाँ कलाँ	27364
भाईं	24769
कटावाँ	23063
बाँसी	20728
लोहरामऊ	22332

स्रोत–भारत की जनगणना हस्त पुस्तिका–2011

चित्र सं0 1.1

जनसंख्या वितरण–2011

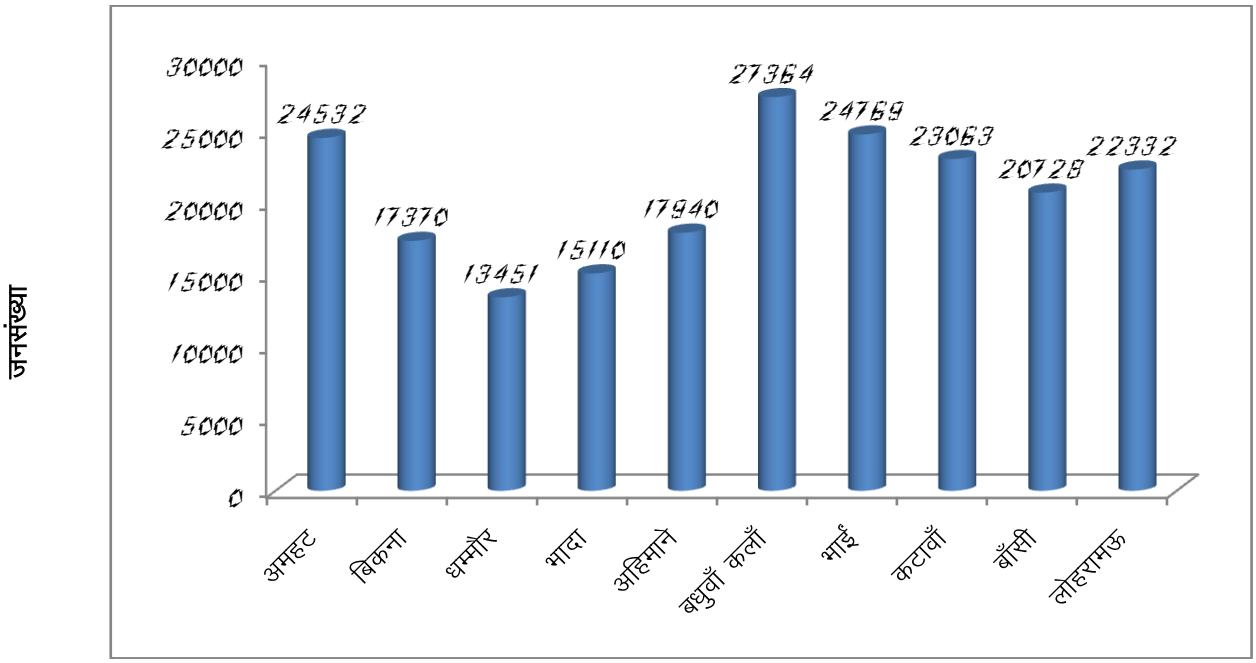

न्याय पंचायत

सारणी सं0 1.1 से यह प्रदर्शित होता है कि 10 न्याय पंचायतों वाले दूबेपुर विकास खण्ड में सर्वाधिक जनसंख्या बधुआँ कलाँ की 27364 व्यक्ति है। जबकि सबसे कम जनसंख्या धम्मौर न्याय पंचायत की 13451 व्यक्ति है। 6 न्याय पंचायतों की जनसंख्या 20000 से ऊपर तथा 4 न्याय पंचायतों की जनसंख्या 20000 से कम है।

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-7* (Part-2) March- 2019
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

सारणी सं0 1.2
सामाजिक–आर्थिक जनांकिकी प्रतिरूप–2011

न्याय पंचायत	घनत्व / वर्ग किमी	कुल जनसंख्या में SC/ST का प्रतिशत	कुल जनसंख्या में मुख्य कर्मकारों का प्रतिशत	कुल जनसंख्या में कृषि कर्मकारों का प्रतिशत	कुल जनसंख्या में पारिवारिक व्यवसाय का प्रतिशत	कुल जनसंख्या में साक्षर जनसंख्या का प्रतिशत
अमहट	19	13.64	22.46	14.63	8.68	61.38
बिकना	11	21.88	30.64	18.60	4.18	60.31
धम्मौर	13	20.80	17.21	20.83	5.70	63.19
भादा	10	20.38	18.74	14.08	3.90	55.47
अहिमाने	11	23.51	15.13	8.91	5.13	60.52
बँधुवा कलाँ	16	19.97	28.04	14.85	12.79	83.40
भाई	11	15.80	16.38	7.10	5.33	62.88
कटाँवा	10	10.00	18.64	13.41	4.76	57.44
बाँसी	12	18.14	23.68	14.73	3.40	58.33
लोहरामऊ	13	15.55	17.07	15.70	5.41	59.43

सामाजिक–आर्थिक जनांकिकी प्रतिरूप

विकास खण्ड दूबेपुर के 10 न्याय पंचायतों से संबंधित सामान्य सूचना सारणी सं. 1.2 में दी गयी है। सारणी सं0 1.2 में विभिन्न न्याय पंचायतों का जनसंख्या घनत्व 10 से 19 व्यक्ति प्रति वर्ग किसी के मध्य है। 2011 की जनगणना के अनुसार विकास खण्ड दूबेपुर का औसत जनघनत्व 12 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी0 है। विकास खण्ड में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति का कुल जनसंख्या में 16.95 प्रतिशत का योगदान है। विभिन्न न्याय पंचायतों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का अनुपात 10 से 23 के मध्य देखने को मिलता है। कुल जनसंख्या में मजदूरों का औसत प्रतिशत निम्नतम 15.13 प्रतिशत तथा उच्चतम 30.64 प्रतिशत के मध्य है। 2011 की जनगणना के अनुसार कृषि कार्मिकों का उच्चतम प्रतिशत 20.83 प्रतिशत जबकि निम्नतम प्रतिशत 7.10 प्रतिशत है। जनगणना 2011 के अनुसार उच्चतम साक्षरता दर 83.40 प्रतिशत तथा निम्नतम साक्षरता दर 55.47 प्रतिशत अंकित की गयी है। पिछले वर्षों की जनगणना के आधार पर ज्ञात होता है कि पुरुष तथा महिला ग्रामीण जनसंख्या बढ़ी है।

सारणी सं0 1.3
अध्ययन क्षेत्र में ग्रामीण जनसंख्या की प्रवृत्ति

वर्ष/न्याय पंचायत	ग्रामीण जनसंख्या			दशकीय वृद्धि प्रतिशत में
	कुल जनसंख्या	पुरुष	महिला	
1991	136559	71789	64770	34.24
2001	178381	92131	86250	30.62
2011	205408	105217	100191	15.15
1991 से 2011 के मध्य वृद्धि %	50.41%	46.56%	54.68%	

स्रोत–भारत का जनगणना हस्त पुस्तिका

सारणी सं0 1.3 में पिछले दशकों में प्रतिशत वृद्धि को दर्शाया गया है। सन् 1991 में अध्ययन क्षेत्र की कुल जनसंख्या 136559 थी जिसमें 71789 पुरुष तथा 64770 महिला थी। इस दशक में ग्रामीण जनसंख्या वृद्धि 34.24 प्रतिशत दर्ज की गयी थी। सन् 2001 में कुल जनसंख्या बढ़कर 178381 हो गयी, जहाँ पुरुषों की संख्या 92131 थी, वहीं महिलाओं की संख्या 86250 थी। इस दशक में ग्रामीण जनसंख्या वृद्धि पिछले दशक की तुलना में कम दर्ज की गयी, जोकि 30.62 प्रतिशत थी। सन् 2011 में क्षेत्र की जनसंख्या बढ़कर 205408 हो गयी, जिसमें 105217 पुरूष और 100191 महिला जनसंख्या है। सारणी यह भी दर्शाती है कि कुल जनसंख्या वृद्धि 50.41 प्रतिशत है जिसमें पुरुष तथा महिला जनसंख्या वृद्धि क्रमशः 46.56 प्रतिशत तथा 54.68 प्रतिशत है।

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-7* (Part-2) March- 2019
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

अध्ययन क्षेत्र में ग्रामीण जनसंख्या की प्रवृत्ति
चित्र सं0 1.2

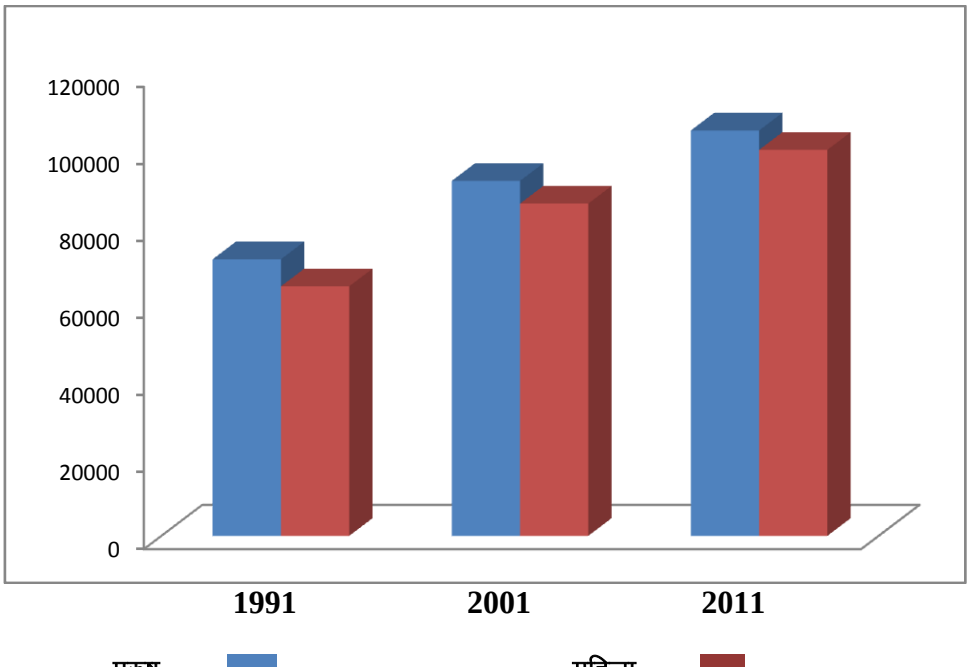

न्याय पंचायत के संदर्भ में क्षेत्रफल, परिवारों की संख्या तथा SC एवं ST जनसंख्या

अध्ययन क्षेत्र में अलग–अलग समुदाय की जातियाँ निवास करती हैं। सारणी सं0 1.4 द्वारा परिवारों की संख्या SC तथा ST जनसंख्या को दर्शाया गया है।

ब्लॉक / न्याय पंचायत	क्षेत्रफल	परिवारों की संख्या	कुल जनसंख्या	पुरुष जनसंख्या	महिला जनसंख्या	SC जनुसंख्या			ST जनुसंख्या		
						कुल SC जनु संख्या	पुरुष SC जन संख्या	महिला SC जन संख्या	कुल ST जन संख्या	पुरुष ST जन संख्या	महिला ST जन संख्या
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1991	19190.62	20740	134873	71789	64770	23113	12190	10923	--	--	--
2001	17235.43	26633	138381	92131	86250	29983	15644	14339	15	10	5
2011	17229.35	34865	205408	105217	100191	35580	18352	17228	86	47	39
कुल ग्रामीण	17229.35	34865	205408	105217	100191	35580	18352	17228	86	47	39
कुल शहरी	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
कुल न्याय पंचायत	17229.35	34865	205408	105217	100191	35580	18352	17228	86	47	39

विकास खण्ड दूबेपुर के न्याय पंचायतों की साक्षरता और उसका प्रतिशत

सारणी संख्या 1.5 में विकास खण्ड दूबेपुर की साक्षरता दर को प्रदर्शित किया गया है। सन् 1991 में केवल 30.53 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर थे। जो सन् 2001 में बढ़कर 48.07 प्रतिशत हो गये। सन् 2011 में साक्षरता दर में तीव्र वृद्धि अंकित की गयी। सन् 2011 में साक्षरता बढ़कर 63.41 प्रतिशत हो गयी। साक्षरता दर में वृद्धि इस क्षेत्र के सामाजिक आर्थिक उन्नति को दिखाता है जो एक अच्छा संकेत है।

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-7* (Part-2) March- 2019
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

सारणी सं0 1.5
साक्षरता और उसका प्रतिशत

वर्ष/न्याय पंचायत	साक्षर जनसंख्या			साक्षरता प्रतिशत		
	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला
1991	41705	31620	10384	30.53	44.05	16.03
2001	85753	54092	31661	48.07	58.71	36.70
2011	130268	76129	54455	63.41	72.35	54.35

स्रोत–जिला जनगणना हस्त पुस्तिका

निष्कर्ष

अध्ययन क्षेत्र विकास खण्ड दूबेपुर में सामाजिक–आर्थिक विकास निरंतर हो रहा है। स्वतत्रंता के पश्चात् से यहां का तीव्र विकास हुआ है। फिर भी यहां पर अभी भी बहुत सुधार की जरूरत है। सुलतानपुर नगर के निकट होने के कारण आस–पास के क्षेत्रों पर नगरीय प्रभाव देखने को मिलता है। मध्य गंगा के मैदान में स्थित होने के कारण उपजाऊ भूमि पायी जाती है, जिसके कारण यहां जनसंख्या का सघन आवरण पाया जाता है परिणाम स्वरूप अनेक प्रकार की समस्याएं जैसे–गरीबी, बेरोजगारी, अपराध व्याप्त है। इस क्षेत्र की जनसंख्या के सामाजिक–आर्थिक विश्लेषण द्वारा उपर्युक्त समस्याओं का समाधान निकाला जा सकता है। इसके लिए उचित नीतियां बनये जाने की आवश्यकता है जिससे कि क्षेत्र का समुचित व सर्वांगीण विकास हो सके।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

मौर्य, एस0डी0 (2016) 'जनसंख्या भूगोल' प्रयाग पुस्तक भवन, इलाहाबाद, पृष्ठ 74, 339।

सिंह, जगदीश (2019) 'आर्थिक भूगोल के मूलतत्व' ज्ञानोदय प्रकाशन, गोरखपुर, पृष्ठ 94–95।

चाँदना, आर0सी0 (2014) 'जनसंख्या भूगोल' कल्याणी पब्लिशर्स, नई दिल्ली, पृष्ठ 242।

भूगोल और आप पत्रिका।

भारत सरकारः भारत की जनगणना, जनगणना भवन, लखनऊ।

बंसल, एस0सी0 (2015) 'सांख्यिकी एवं शोध विधि तंत्र' आर0के0 बुक्स, नई दिल्ली, पृष्ठ 201।

तिवारी, राजेन्द्र (2011) 'सांख्यिकीय डायरी', उत्तर प्रदेश अर्थ एवं संख्या प्रयोग, राज्य नियोजन संस्थान, उ0प्र0।

टाम्टा, प्रेम लाल, 'पचहटिया की जनसंख्या का विश्लेष्णात्मक अध्ययन' 'शोध प्रबन्ध' टी0डी0पी0जी0 कालेज, जौनपुर।

सुलतानपुर जनपद का संक्षिप्त विवरण (1991) 'शोध प्रबन्ध'।